

भाग अ - परिचय			
कार्यक्रम : प्रमाण पत्र	कक्षा : वी.ए. प्रथम वर्ष	वर्ष : 2021	सत्र : 2021-22
विषय : समाजशास्त्र			
1	पाठ्यक्रम का कोड	AI- SOCIET	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	समाजशास्त्र की प्राथमिक अवधारणाएं - प्रश्न पत्र -2	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/.....)	मूल (कोर कोर्स) पाठ्यक्रम	
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	वी.ए. प्रथम वर्ष में प्रवेशित सभी विद्यार्थियों के लिए यह एक चयनित विषय है।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	<p>1. इस पाठ्यक्रम में समाजशास्त्र की सभी प्रमुख अवधारणाओं को शामिल किया गया है , जो विद्यार्थियों को सामान्य ज्ञान और समाजशास्त्रीय ज्ञान के बीच अंतर करने के लिए गहरी अंतर्दृष्टि विकसित करने में सक्षम बनाता है।</p> <p>2. समाज, सामाजिक समूहों, सामाजिक संरचना, सामाजिक संस्था आदि की वैचारिक शिक्षा विद्यार्थियों को उनके दैनिक जीवन में मदद करेगी।</p> <p>3. इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थियों को शासकीय , कार्पोरेट, गैर सरकारी संगठन एवं स्वरोजगार के क्षेत्र में रोजगार के विभिन्न अवसरों के बारे में जानकारी मिलेगी।</p> <p>4. यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति के प्रति जागरूक करने के साथ साथ उनके व्यक्तित्व विकास में सहायक होगा .</p> <p>5. परिवार, विवाह, नातेदारी जैसी भारतीय सामाजिक संस्थाओं की अवधारणा का अध्ययन छात्रों को कई सामाजिक समस्याओं को सुलझाने में सक्षम बनाएगी।</p> <p>6. सांस्कृतिक विलम्बना के सिद्धांत का अध्ययन छात्रों को पीढीगत अंतर के संघर्ष को बेहतर ढंग से समझने में मदद करेगा और इस संघर्ष को कम करने में सहायता करेगा।</p> <p>7. संस्कृति, समाजीकरण और सभ्यता की शिक्षा छात्रों को समाजिकरण की नई एजेन्सीयों से परिचित कराएगी और उनके व्यक्तित्व के विकास में सहायक होगी।</p>	
6	क्रेडिट मान	सैद्धांतिक - 6	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 25 ग्रीसीई +75 विष	न्यूनतम उत्तीर्णांक : 33

(Handwritten signature)

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): 6-0-0

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
प्रथम	<p>समाजशास्त्र का उदय -</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. भारतीय चिन्तन की परम्परा 2. समाजशास्त्र - <ol style="list-style-type: none"> 2.1 अर्थ 2.2 अध्ययन क्षेत्र 2.3 विषय वस्तु 2.4 महत्व 3. समाजशास्त्र की उत्पत्ति एवं विकास (मध्यप्रदेश के विशेष सन्दर्भ सहित) 4. एक विज्ञान के रूप में समाजशास्त्र 5. समाजशास्त्र में मानवतावादी उन्मुखीकरण 6. अन्य सामाजिक विज्ञानों के साथ संबंध 7. समाजशास्त्र और व्यवसाय 	18
<p>सार बिंदु (की वर्ड)/टिप: भारतीय चिन्तन की परम्परा, समाजशास्त्र का उदय, समाजशास्त्र का विकास, समाजशास्त्र में मानवतावादी उन्मुखीकरण, समाजशास्त्र में व्यवसाय के अवसर</p>		
द्वितीय	<p>मूलभूत अवधारणाएँ -</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. समाज 2. व्यक्ति एवं समाज के मध्य संबंध 3. समुदाय 4. समिति 5. संस्था 6. सामाजिक समूह 7. सामाजिक संरचना एवं प्रकार्य 8. प्रस्थिति एवं भूमिका 	18
<p>सार बिंदु (की वर्ड)/टिप: व्यक्ति और समाज के मध्य संबंध, सामाजिक संरचना, सामाजिक समूह, सामाजिक स्थिति, समाजशास्त्र में समिति</p>		

<p>तृतीय</p>	<p>सामाजिक संगठन एवं संस्थाएँ - (अवधारणा, उदभव, विकास, स्वरूप एवं चुनौतियां)</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. सामाजिक संगठन 2. सामाजिक व्यवस्था 3. परिवार 4. नातेदारी 5. विवाह 6. जाति, वर्ग एवं शक्ति 7. शिक्षा 	<p>18</p>
--------------	--	-----------

सार बिंदु (की वर्ड)/टैग: सामाजिक संगठन, सामाजिक व्यवस्था, सामाजिक संस्था, जाति एवं वर्ग, नातेदारी

<p>चतुर्थ ✓</p>	<p>सामाजिक सांस्कृतिक प्रक्रियाएँ -</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. संस्कृति - <ol style="list-style-type: none"> 1.1 अर्थ 1.2 विशेषताएँ 1.3 प्रकार 1.4 संस्कृति के उपादान 1.5 सांस्कृतिक विलम्बना 1.6 संस्कृति एवं सभ्यता 2. समाजीकरण - <ol style="list-style-type: none"> 2.1 अर्थ 2.2 विशेषताएँ 2.3 सौपान 2.4 अभिकरण 2.5 प्रकार 2.6 महत्व 3. सामाजिक प्रक्रियाएँ - <ol style="list-style-type: none"> 3.1 सहयोग 3.2 व्यवस्थापन 3.3 प्रतिस्पर्धा 3.4 संघर्ष 	<p>18</p>
-----------------	---	-----------

सार बिंदु (की वर्ड)/टैग: संस्कृति, सामाजिक प्रक्रिया, सांस्कृतिक विलम्बना, सभ्यता, सामाजिकरण



<p>पंचम</p>	<p>सामाजिक नियंत्रण एवं परिवर्तन -</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. समाजीकरण नियंत्रण - <ol style="list-style-type: none"> 1.1 अर्थ 1.2 विशेषताएँ 1.3 प्रकार 1.4 सामाजिक नियंत्रण के साधन 2. सामाजिक स्तरीकरण - <ol style="list-style-type: none"> 2.1 अर्थ, 2.2 विशेषताएँ 2.3 आधार 2.4 स्वरूप 3. सामाजिक गतिशीलता - <ol style="list-style-type: none"> 3.1 अर्थ 3.2 विशेषताएँ 3.3 प्रकार 4. सामाजिक परिवर्तन - <ol style="list-style-type: none"> 4.1 अर्थ 4.2 विशेषताएँ 4.3 सामाजिक परिवर्तन के कारक 4.4 सामाजिक परिवर्तन के प्रतिमान 	<p>18</p>
<p>सार बिंदु (की वर्ड)/टिप: सामाजिक नियंत्रण, सामाजिक परिवर्तन, सामाजिक स्तरीकरण, सामाजिक गतिशीलता, सामाजिक परिवर्तन के प्रतिमान</p>		
<p>भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन</p>		
<p>अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:</p> <ol style="list-style-type: none"> 1- Maclver, Robert M & Charles Hunt Page (1949) <i>Society: An Introductory Analysis</i>, New York. 2- Beteille Andre (1965) <i>Caste Class & Power</i>, California University, Berkley. 3- Ghurye GS (1961) <i>Caste, Class & occupation</i>, Popular Book Depot., Bombay. 4- Ogburn & Nimkoff (1947) <i>Hand Book of Sociology</i>, K.PAUL, Trench, Prebner and Comp.Ltd. London. 5- Giddens, A. (2006). <i>Sociology</i> (5th ed.). Oxford University Press. London 6- Horton and Hunt. (1964) <i>Sociology - The Discipline and its Dimensions</i>: New Central Book Agency, Calcutta. 		

- 7- Johnson, Harry M. (1988) *Sociology - A Systematic Introduction*. Allied Publishers Pvt. Ltd, New Delhi.
- 8- Inkeles Alex. (1977) *What is Sociology*- Prentice-Hall of India, Pvt. Ltd., New Delhi.
- 9- Shankar Rao C.N. (2019) *Sociology*- S Chand and company Ltd, New Delhi
- 10- Shankar Rao C.N. (2018) *Sociology of Indian society* - S Chand and company Ltd, New Delhi
- 11- Pandey Vinita (2016) *Indian society and culture*, Rawat Publication, Jaipur.
- 12- Bhushan Vidya and Sachdeva D.R. (2000) *Kitab Mahal*, Allahabad.
- 13- दुवे श्यामाचरण (1993) *मानव और संस्कृति*, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली.
- 14- आहूजा राम (2008) *समाजशास्त्र विवेचना और परिप्रेक्ष्य*, रावत पब्लिकेशन, जयपुर.
- 15- अग्रवाल जी.के. (2018) *समाजशास्त्र की मूल अवधारणाएँ*, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा.
- 16- सिंह जे.पी. (2019) *समाजशास्त्र अवधारणार्थे एवं सिद्धान्त*, रावत पब्लिकेशन, जयपुर.
- 17- बघेल डी.एस. (2020) *समाजशास्त्र*, कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल.
- 18- पाटिल अशोक डी. एवं भदौरिया एस.एस. (2015) *समाजशास्त्र परिचय*, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल.
- 19- सचदेवा डी. आर (2005) *समाजशास्त्र के सिद्धान्त*, किताव महल, इलाहबाद.

अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक

[https://nios.ac.in/online-course-material/sr-secondary-courses/Sociology-\(331\).aspx](https://nios.ac.in/online-course-material/sr-secondary-courses/Sociology-(331).aspx)

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 25 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 75

आंतरिक मूल्यांकन:	क्लास टेस्ट	15
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	10
		कुल अंक: 25
आकलन :	अनुभाग (अ): तीन अति लघु प्रश्न (प्रत्येक 50 शब्द)	03 x 03 = 09
विश्वविद्यालयीन परीक्षा:	अनुभाग (ब): चार लघु प्रश्न (प्रत्येक 200 शब्द)	04 x 09 = 36
समय- 02.00 घंटे	अनुभाग (स): दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)	02 x 15 = 30
		कुल अंक 75

कोई टिप्पणी/सुझाव:



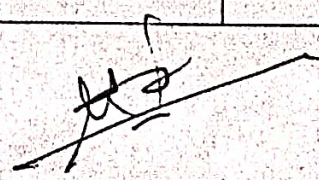
Part A Introduction			
Program : Certificate Course		Class : B.A. 1st year	Year : 2021
		Session : 2021-2022	
Subject: Sociology			
1	Course Code	A1- SOCI2T	
2	Course Title	Basic Concepts of Sociology (Paper II)	
3	Course Type (Core Course/Elective/Generic Elective/Vocational/.....)	Core Course	
4	Pre-requisite (if any)	This is an elective paper open for all B.A 1 st year students.	
5	Course Learning outcomes (CLO)	<p>1. The course is designed to incorporate all the key concepts of Sociology which would enable the learner to develop keen insight to distinguish between the commonsense knowledge and Sociological knowledge.</p> <p>2. The conceptual learning of Society, Social groups, Social structure, Social institution etc, will help students in their day to day living.</p> <p>3. By studying this paper students will get information about various employment opportunities in government, corporate, N.G.O. and self employment sector.</p> <p>4. This paper gives students an awareness of cultural differences and provides them with opportunity to enhance their cultural sensitivity.</p> <p>5. The concepts of Indian social institutions, such as, family, Marriage, Kinship will enable students to consider their roles in solving many social problems.</p> <p>6. The theory of cultural lag will make students better understand the conflict of generational gap and minimize it in due course.</p> <p>7. Teaching of culture, socialization and civilization will emphasise not only the new agencies of socialization but also their significance in personality development.</p>	
6	Credit Value	Theory – 6	
7	Total Marks	Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks:33



Part B- Content of the Course

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 6 hours per week
L-T-P: 6-0-0

Unit	Topics	No. of Lectures
I	Emergence of Sociology : 1. Tradition of Indian Thinking 2. Sociology 2.1 Meaning 2.2 Scope 2.3 Subject Matter 2.4 Importance 3. Origin and Development of Sociology (Including Special Reference to Madhya Pradesh) 4. Sociology as a Science 5. Humanistic Orientation in Sociology 6. Relationship with other Social Sciences 7. Sociology and Professions	18
Keywords/Tags: Tradition of Indian Thinking, Emergence of Sociology, Development of Sociology, Humanistic Orientation in Sociology, Professions in Sociology		
II	Basic Concepts : 1. Society 2. Relation between Individual and Society 3. Community 4. Association 5. Institution 6. Social Group 7. Social Structure and Function 8. Status and Role	18
Keywords/Tags: Relation between Individual and Society ,Social Structure, Social Group , Social Status, Association in Sociology		
III	Social Organization and Institutions: (Concept, Emergence, Development, Forms and Challenges) 1. Social Organization 2. Social System 3. Family	18



	<ul style="list-style-type: none"> 4. Kinship 5. Marriage 6. Caste, Class and Power 7. Education 	
Keywords/Tags: Social Organization, Social System, Social Institution, Class, Kinship		
IV	Socio-Cultural Processes : <ul style="list-style-type: none"> 1. Culture <ul style="list-style-type: none"> 1.1 Meaning 1.2 Characteristics 1.3 Types 1.4 Components of Culture, 1.5 Cultural lag 1.6 Culture and Civilization 2. Socialization <ul style="list-style-type: none"> 2.1 Meaning 2.2 Characteristics 2.3 Stages 2.4 Agencies 2.5 Types 2.6 Importance 3. Social Processes <ul style="list-style-type: none"> 3.1 Cooperation 3.2 Accommodation 3.3 Competition, 3.4 Conflict 	18
Keywords/Tags: Culture, Social Process, Cultural lag, Civilization, Socialization		
V	Social Control and Change : <ul style="list-style-type: none"> 1. Social Control <ul style="list-style-type: none"> 1.1 Meaning 1.2 Characteristics 1.3 Types 1.4 Means of Social Control 2. Social Stratification <ul style="list-style-type: none"> 2.1 Meaning 2.2 Characteristics 	18

	<ul style="list-style-type: none">2.3 Bases2.4 Forms3. Social Mobility<ul style="list-style-type: none">3.1 Meaning3.2 Characteristics3.3 Types4. Social change<ul style="list-style-type: none">4.1 Meaning4.2 Characteristics4.3 Factors of social change4.4 Patterns of social change	
Keywords/Tags: Social Control, Social Change, Social Stratification, Social Mobility, Patterns of social change		



Part C-Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

- 1- Maclver, Robert M & Charles Hunt Page (1949) *Society: An Introductory Analysis*, New York.
- 2- Beteille Andre (1965) *Caste Class & Power*, California University, Berkley.
- 3- Ghurye GS (1961) *Caste, Class & occupation*, Popular Book Depot., Bombay.
- 4- Ogburn & Nimkoff (1947) *Hand Book of Sociology*, K.PAUL, Trench, Prebner and Comp.Ltd. London.
- 5- Giddens. A. (2006). *Sociology* (5th ed.). Oxford University Press. London
- 6- Horton and Hunt. (1964) *Sociology - The Discipline and its Dimensions*: New Central Book Agency, Calcutta.
- 7- Johnson, Harry M.. (1988) *Sociology - A Systematic Introduction*. Allied Publishers Pvt. Ltd, New Delhi.
- 8- Inkeles Alex. (1977) *What is Sociology*- Prentice-Hall of India, Pvt. Ltd., New Delhi.
- 9- Shankar Rao C.N. (2019) *Sociology*- S Chand and company Ltd, New Delhi
- 10- Shankar Rao C.N. (2018) *Sociology of Indian society* - S Chand and company Ltd, New Delhi
- 11- Pandey Vinita (2016) *Indian society and culture*, Rawat Publication, Jaipur.
- 12- Bhushan Vidya and Sachdeva D.R. (2000) *Kitab Mahal*, Allahabad.
- 13- दुवे श्यामाचरण (1993) *मानव और संस्कृति*, राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली.
- 14- आहूजा राम (2008) *समाजशास्त्र विवेचना और परिप्रेक्ष्य*, रावत पब्लिकेशन, जयपुर.
- 15- अग्रवाल जी.के. (2018) *समाजशास्त्र की मूल अवधारणाएँ*, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा.
- 16- सिंह जे.पी. (2019) *समाजशास्त्र अवधारणाएँ एवं सिद्धान्त*, रावत पब्लिकेशन, जयपुर.
- 17- वधेल डी.एस. (2020) *समाजशास्त्र*, कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल.
- 18- पाटिल अशोक डी. एवं भदौरिया एस.एस. (2015) *समाजशास्त्र परिचय*, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल.
- 19- सचदेवा डी. आर (2005) *समाजशास्त्र के सिद्धान्त*, किताब महल, इलाहबाद.

Suggestive digital platforms web links

[https://nios.ac.in/online-course-material/sr-secondary-courses/Sociology-\(331\).aspx](https://nios.ac.in/online-course-material/sr-secondary-courses/Sociology-(331).aspx)

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & Other centrally/state operated Universities/ MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

Part D-Assessment and Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods:

Maximum Marks : 100

Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) : 25marks University Exam (UE) 75 marks

Internal Assessment :	Class Test	15
Continuous Comprehensive Evaluation (CCE):25	Assignment/Presentation	10

External Assessment : University Exam Section: 75 Time : 02.00 Hours	Section(A) : Three Very Short Questions (50 Words Each) Section (B) : Four Short Questions (200 Words Each) Section (C) : Two Long Questions (500 Words Each)	$03 \times 03 = 09$ $04 \times 09 = 36$ $02 \times 15 = 30$ Total 75
Any remarks/suggestions:		

